वार्षिक परीक्षा—2019—20

कक्षा— 11

समय— 3 घण्टा | विषय— हिन्दी | पूर्णांक— 90

प्र०1. सही विकल्प चुनकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए—

(क) आदिकाल की विशेषता है—

(i) प्रकृति—चित्रण (ii) युद्धों का सजीव चित्रण

(iii) समन्वयकारी भावना (iv) गुरु को महत्व देना

(ख) निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं—

(i) रसखान (ii) सूरदार

(iii) कबीरदास (iv) तुलसीदास

(ग) 'विनय पत्रिका' के रचनाकार हैं—

(i) कबीर (ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास (iv) बिहारी

(घ) 'श्रृंगारी कवि' किसे कहा जाता है—

(i) केशवदास (ii) बिहारी

(iii) सूरदास (iv) पद्माकर

(ङ) छायावाद के कवि हैं—

(i) अज्ञेय (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) मैथिलीशरण गुप्त (iv) केदारनाथ

(च) हिन्दी गद्य साहित्य के जनक माने जाते हैं—

(i) पं० लल्लूलाल (ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) सदल मिश्र

(छ) महावीर प्रसयाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका है—

(i) मयार्दा (ii) कविवचन सुधा

(iii) सरस्वती (iv) हिन्दी प्रदीप

(ज) 'कर्मभूमि' उपन्यास के लेखक हैं—

(i) प्रेमचन्द (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) बालकृष्ण भट्ट (iv) किशोरीलाल गोस्वामी

(अ) 'गिरधारी' किस कहानी का पात्र है–

(i) आकाशदीप (ii) प्रायश्चित

(iii) समय (iv) बलिदान

प्र०2. हाय, अफसोस, तुम ऐसे हो गए कि अपने निज काम की वस्तु भी नहीं बना सकते। भाइयो, अब तो नींद से चौंको, अपने देश की सब प्रकार से उन्नति करो। जिसमें तुम्हारी भलाई हो, वैसी ही किताब पढ़ो, वैसे ही खेल खेलो, वैसे ही बातचीत करो। परदेसी वस्तु और परदेसी भाषा का भरोसा मत रखो। अपने देश में अपनी भाषा में उन्नति करो।

प्रश्नः–(i) पाठ का नाम और लेखक का नाम लिखो। (2×5=10)

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या करो।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने भारतीयों में किस भावना को विकसित करने पर बल दिया है?

(iv) वर्तमान दशा में लेखक किस बात पर अपना खेद व्यक्त कर रहे हैं?

(v) भारतेन्दु जी भारतीयों का आह्वान करते हुए क्या कह रहे हैं?

अथवा

सूर्यदेव की उदारता और न्यायशीलता तारीफ के लायक है। तरफदारी तो उसे छू तक नहीं गई– पक्षपात की तो गंध तक उसमें नहीं, देखिए न, उदय तो उसका उदयाचल पर हुआ, पर क्षण भर में उसने अपने नए किरण–कलाप को उसी पर्वत के शिखर पर ही नहीं, प्रत्युत सभी पर्वतों के शिखरों पर फैलाकर उन सबकी शोभा बढ़ा दी। उसकी इस उदारता के कारण इस समय ऐसा मालूम हो रहा है, जैसे सभी भूधरों ने अपने शिखरों–अपने मस्तकों पर दुपहरिया के लाल–लाल फूलों के मुकुट धारण कर लिये हों।

प्रश्नः–(i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए। (2×5=10)

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) सूर्यदेव के स्वभाव के सम्बन्ध में लेखक ने क्या कहा है?

(iv) सूर्यदेव की सभी के प्रति समानता में लेखकर ने क्या कहा है?

(v) पर्वतों के शिखरों पर पड़ती सूर्य की प्रातःकालीन किरणों के सम्बन्ध में क्या कहा है?

प्र०3. हेरत हेरत हे सखी, रह्या कबीर हिराइ। 10

बूँद समानी समद मैं, सो कत हेरी जाइ।।

प्रश्न–(i) प्रस्तुत पद्यांश की रचना [illegible] रचनाकार का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) प्रस्तुत सखी मे कबीर ने किसका वर्णन किया है?

(iv) जीवात्मा रूपी सखियों से कबीर क्या कह रहे हैं?

(v) कबीर किस उदाहरण के माध्यम से अपनी बात को स्पष्ट कर रहे हैं?

अथवा

चरन चोंच लोचन रँगौ चलौ मराली चाल।

छीर–नीर बिबरन समय, बक उघरत तेहि काल।।

प्रश्नः–(i) प्रस्तुत पद्यांश की रचना एवं रचनाकार का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) तुलसीदास के अनुसार बगुला कब हंस नहीं हो सकता?

(iv) नीर–क्षीर–विवेकी गुण किसके लिए प्रयुक्त किया गया है?

(v) हंस की क्या विशेषता है?

प्र०4. सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद लिखिए– **10**

राष्ट्रभाषा–हिन्दी–प्रचारे संलग्न हिन्दी साहित्य सम्मेलनम् अत्र स्थितम्। अत्रैव च अनेक सहस्त्र संख्यैः देशविदेश विद्यार्थिभिः परिवृतः विविधविद्यापारङ्गतैः विद्वद्वरेण्यैः उपशोभितः च प्रयाग विश्वविद्यालयः भरद्वाजस्य प्राचीनःगुरुकुलस्य नवीनं रूपमिव शोभते। स्वतन्त्रेऽस्मिन् भारते प्रत्येकं नागरिकाणां न्यायप्राप्तेरधिकारधोषणामिव कुर्वन् उच्चन्यायालयः अस्य नगरस्य प्रतिष्ठां वर्द्धयति।

वृत्तं यत्नेन संरक्षेद् वित्तमायाति यातिच।

अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः।।

प्र०5. कबीर, सूरदास, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, डॉ० सम्पूर्णानन्द में से किसी एक का साहित्यिक परिचय लिखिए। **5**

प्र०6. 'बलिदान' अथवा 'प्रायश्चित' कहानी का सारॉश अथवा उद्देश्य लिखिए। **5**

प्र०7. (क) 'करुण रस' अथवा 'वीर रस' के स्थायी भाव के साथ परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

(ख) 'यमक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

(ग) दोहा अथवा चौपाई छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए।

प्र०8. (क) 'शिवालय' अथवा 'उपेन्द्र' का सन्धि विच्छेद कीजिए।

(ख) 'कँटीला–कटीला' अथवा 'पवन–पावक' शब्द युग्म के अर्थ लिखिए।

(ग) 'अगर–मगर करना' अथवा 'बिजली गिराना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए।

(घ) 'जो दिखाई न दे' अथवा 'जिसका ज्ञान थोड़ा हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखो।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए–

(अ) गुरू (ब) अम्बर (स) पद (द) कनक

(च) 'बालकस्य' शब्द में कौन–सी विभक्ति और वचन हैं?

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन (ब) षष्ठी, द्विवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, एकवचन (द) इनमें से कोई नहीं

(छ) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

(अ) मैं तुमसे रविवार के दिन मिलूँगा (ब) रामचन्द्र रावण का वध किए हैं

(स) वह मुझे बुलाया है (द) मेले में अनेकों दुकानें आई थीं

प्र०9. अपने मुहल्ले की गंदगी को दूर करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखो। 6

अथवा

भारतीय स्टेट बैंक के शाखा–प्रबन्धक को उच्च शिक्षा हेतु ऋण प्राप्त करने हेतु पत्र लिखिए।

प्र०10. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 10

(क) दूर संचार में क्रान्ति

(ख) स्वच्छ भारत अभियान– एक वरदान

(ग) भारत का बदलता स्वरूप

(घ) अनुशासन का महत्व

(ङ) प्रदूषण : समस्या और समाधान